# डीआरडीओ समाचार

www.drdo.gov.in

डीआरडीओ की मासिक गृह पत्रिका

अक्तूबर 2023 खण्ड 35 अंक 10

ISSN: 0971-4405

## डीआरडीओ-अकादमी-उद्योग तालमेल बैठक

संरक्षक: डॉ के नागेश्वर राव
मुख्य संपादक: सुधांशु भूषण
संपादक: दीप्ति अरोडा
सहायक संपादक: धर्म वीर
अनुवादक: सुनील कुमार दुबे
मुद्रण: एस के गुप्ता

प्रकाशन का 35वां वर्ष

डीआरडीओ समाचार के ई–संस्करण तक पहुंचने के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें

## हमारे संवाददाता

| | | |
|---|---|---|
| अहमदनगर | : | श्री आर ए शेख, वाहन अनुसंधान एवं विकास स्थापना (वीआरडीई) |
| अंबरनाथ | : | डॉ गणेश एस धोले, नौसेना सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एनएमआरएल) |
| चांदीपुर | : | श्री पी एन पांडा, एकीकृत परीक्षण परिसर (आईटीआर) |
| | | श्री रत्नाकर एस महापात्रा, प्रूफ एवं प्रयोगात्मक संगठन (पीएक्सई) |
| बेंगलूरु | : | श्री सतपाल सिंह तोमर, वैमानिकी विकास स्थापना (एडीई) |
| | | श्रीमती एम आर भुवनेश्वरी, वायुवाहित प्रणाली केंद्र (कैब्स) |
| | | श्रीमती फहीमा ए जी जे, कृत्रिम ज्ञान एवं रोबोटिकी केंद्र (केयर) |
| | | डॉ जोसेफिन निर्मला एम, युद्धक विमान प्रणाली विकास एवं एकीकरण केंद्र (कैसडिक) |
| | | डॉ संचिता सिल तथा डॉ सुधीर एस काम्बले, रक्षा जैव अभियांत्रिकी एवं विद्युत चिकित्सा प्रयोगशाला (डेबेल) |
| | | डॉ वी सेंथिल, गैस टरबाइन अनुसंधान स्थापना (जीटीआरई) |
| | | श्री वेंकटश प्रभु, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं रडार विकास स्थापना (एलआरडीई) |
| | | डॉ अशोक बंसीवाल, सूक्ष्म तरंग नलिका अनुसंधान एवं विकास केंद्र (एमटीआरडीसी) |
| चंडीगढ़ | : | डॉ पाल दिनेश कुमार, चरम प्राक्षेपिकी अनुसंधान प्रयोगशला (टीबीआरएल) |
| | | डॉ अनुजा कुमारी, रक्षा भू–सूचना विज्ञान अनुसंधान स्थापना (डीजीआरई) |
| चेन्नई | : | श्री के अंबाझगन, युद्धक वाहन अनुसंधान एवं विकास स्थापना (सीवीआरडीई) |
| देहरादून | : | श्री अभय मिश्रा, रक्षा इलेक्ट्रॉनिक अनुप्रयोग प्रयोगशाला (डील) |
| | | श्री जे पी सिंह, यंत्र अनुसंधान एवं विकास स्थापना (आईआरडीई) |
| दिल्ली | : | श्री तपेश सिन्हा, रक्षा वैज्ञानिक सूचना एवं प्रलेखन केंद्र (डेसीडॉक) |
| | | डॉ दीप्ति प्रसाद, रक्षा शरीरक्रिया एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान (डिपास) |
| | | श्री संतोष कुमार चौधरी, रक्षा मनोवैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान (डीआईपीआर) |
| | | श्री नवीन सोनी, नाभिकीय औषधि एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान (इनमास) |
| | | श्रीमती रबिता देवी, पद्धति अध्ययन एवं विश्लेषण संस्थान (ईसा) |
| | | श्री अशोक कुमार, वैज्ञानिक विश्लेषण समूह (एसएजी) |
| | | डॉ रुपेश कुमार चौबे, ठोसावस्था भौतिकी प्रयोगशाला (एसएसपीएल) |
| ग्वालियर | : | डॉ ए के गोयल, रक्षा अनुसंधान एवं विकास स्थापना (डीआरडीई) |
| हल्द्वानी | : | डॉ अतुल ग्रोवर, रक्षा जैव–ऊर्जा अनुसंधान संस्थान (डिबेर) |
| हैदराबाद | : | श्री हेमंत कुमार, उन्नत प्रणाली प्रयोगशाला (एएसएल) |
| | | श्री ए आर सी मूर्ति, रक्षा इलेक्ट्रॉनिक अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएलआरएल) |
| | | डॉ मनोज कुमार जैन, रक्षा धातुकर्मीय अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएमआरएल) |
| जगदलपुर | : | डॉ गौरव अग्निहोत्री, एसएफ परिसर (एसएफसी) |
| जोधपुर | : | श्री डी के त्रिपाठी, रक्षा प्रयोगशाला (डीएल) |
| कानपुर | : | डॉ मोहीत कटियार, रक्षा सामग्री एवं भंडार अनुसंधान और विकास स्थापना (डीएमएसआरडीई) |
| कोच्चि | : | श्रीमती लीथा एम एम, नौसेना भौतिक एवं समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एनपीओएल) |
| लेह | : | डॉ डॉर्जी आंगचॉक, रक्षा उच्च तुंगता अनुसंधान संस्थान (दिहार) |
| मसूरी | : | ग्रुप कैप्टन आर के मंशारमानी, प्रौद्योगिकी प्रबंध संस्थान (आईटीएम) |
| मैसूर | : | डॉ एम पालमुरुगन, रक्षा खाद्य अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएफआरएल) |
| नासिक | : | श्री आशुतोष शर्मा, ऊर्जावान सामग्री के लिए अग्रिम केन्द्र (एसीईएम) |
| पुणे | : | श्री अजय के पांडे, आयुध अनुसंधान और विकास स्थापना (एआरडीई) |
| | | डॉ विजय पट्टर, रक्षा उन्नत प्रौद्योगिकी संस्थान (डीआईएटी) |
| | | डॉ गणेश शंकर डोम्बे, उच्च ऊर्जा पदार्थ अनुसंधान प्रयोगशाला (एचईएमआरएल) |
| तेजपुर | : | डॉ के एस नखुरु, रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डीआरएल) |
| विशाखापत्तनम | : | श्रीमती ज्योत्सना रानी, नौसेना विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एनएसटीएल) |

# इस अंक में

मुख्य लेख ..... 4

घटनाक्रम ..... 5
उत्पाद प्रदर्शन ..... 12
राजभाषा क्रियाकलाप ..... 14
मानव संसाधन विकास क्रियाकलाप ..... 16
अवसंरचना विकास ..... 21
कार्मिक समाचार ..... 22
निरीक्षण/दौरा कार्यक्रम ..... 23

वेबसाइटः https://www.drdo.gov.in/samachar
अपने सुझावों से हमें अवगत कराने के लिए कृपया संपर्क करें:
director.desidoc@gov.in; drdonl.desidoc@gov.in
दूरभाषः 011-23902403, 23902472
फैक्सः 011-23819151

# डीआरडीओ-अकादमी-उद्योग तालमेल बैठक

रक्षा प्रयोगशाला, जोधपुर (डीएलजे) ने 12 अगस्त 2023 को प्रोफेसर डीएस कोठारी मेमोरियल तकनीकी कॉन्क्लेव–2023 (डीआरडीओ–अकादमिया–उद्योग तालमेल बैठक) का आयोजन किया, जिसका मुख्य उद्देश्य तीनों सेवाओं की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए गुप्त, छलावरण, परमाणु विकिरण, रेगिस्तानी युद्ध सहायक प्रौद्योगिकियों और उत्पादों के लिए सभी हितधारकों के बीच सहक्रियात्मक बातचीत के लिए एक सामान्य मंच प्रदान करना था।

इस कार्यक्रम में थल सेना, वायु सेना और नौसेना के प्रतिनिधियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। लगभग 21 उद्योगों ने डीएलजे से टीओटी के आधार पर प्राप्त उत्पादों को प्रदर्शित किया। डीएलजे की चल रही 16 सीएआरएस परियोजनाओं की पोस्टर प्रस्तुति शिक्षा जगत के प्रतिनिधियों द्वारा दी गई।

कॉन्क्लेव का उद्घाटन डॉ समीर वी कामत, सचिव, डीडी आर एंड डी एवं अध्यक्ष, डीआरडीओ ने किया। डॉ वाई श्रीनिवास राव, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एनएस एंड एम), इस अवसर पर सम्मानित अतिथि थे।

शुरुआत में, श्री आरवी हारा प्रसाद, उत्कृष्ट वैज्ञानिक और निदेशक, डीएलजे ने सभी सम्मानित गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया और सेवाओं की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण उत्पादों को विकसित करने में डीएलजे की भूमिका पर प्रकाश डाला। डॉ राव ने अपने संबोधन में रक्षा अनुसंधान एवं विकास में अभूतपूर्व प्रगति हासिल करने के लिए डीआरडीओ, उद्योग और शिक्षा जगत के बीच सहक्रियात्मक संबंध को बढ़ावा देने पर जोर दिया।

कार्यक्रम में, सचिव, डीडी आर एंड डी एवं अध्यक्ष, डीआरडीओ द्वारा डीएलजे द्वारा विकसित उत्पाद सशस्त्र बलों को सौंपे गए। डॉ कामत ने 'रक्षा में प्रौद्योगिकी नेतृत्व : सपना या वास्तविकता' विषय पर 30वां प्रोफेसर डीएस कोठारी स्मृति व्याख्यान दिया।

इसके अलावा 'डीआरडीओ–उद्योग–अकादमिक सहयोग: आगे की राह' पर एक आकर्षक पैनल चर्चा का आयोजन किया गया। उद्योग, शिक्षा, सेवाओं और डीआरडीओ के विशेषज्ञों ने इसमें भाग लिया और प्रौद्योगिकी में नवीनतम प्रगति और संयुक्त सहयोग के अवसरों की खोज की।

# आजादी का अमृत महोत्सव

आजादी का अमृत महोत्सव आजादी के 75 साल और अपने लोगों, संस्कृति और उपलब्धियों के गौरवशाली इतिहास का जश्न मनाने और स्मरण करने के लिए भारत सरकार की एक पहल है। पिछले अंक (सितंबर 2023) की निरंतरता में, डीआरडीओ की निम्नलिखित प्रयोगशालाओं ने अपने उत्पादों, प्रौद्योगिकियों और उपलब्धियों को प्रदर्शित करने के लिए कई कार्यक्रम और विज्ञान प्रदर्शनियां आयोजित करके आजादी का अमृत महोत्सव मनाया।

विज्ञान प्रदर्शनी आजादी का अमृत महोत्सव की थीमः डिफेंस आर एंड डी इकोसिस्टम का विकास–आत्मनिर्भरता का मार्ग' के अनुरूप थी।

## केयर, बेंगलुरु

कृत्रिम ज्ञान तथा रोबोटिकी केंद्र (केयर), बेंगलुरु ने 15 अगस्त 2023 को अपना 76वां स्वतंत्रता दिवस मनाया। समारोह की शुरुआत डॉ ऋतुराज कुमार, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, केयर द्वारा ध्वजारोहण के साथ हुई, जिसके बाद राष्ट्रगान गाया गया। निदेशक केयर ने केयर कर्मचारियों और अनुबंध कर्मचारियों के बच्चों को योग्यता पुरस्कार वितरित किए।

## डीएल, जोधपुर

आजादी का अमृत महोत्सव अभियान के तहत 22 जुलाई 2023 को रक्षा प्रयोगशाला, जोधपुर में 'रक्षा अनुसंधान एवं विकास पारिस्थितिकी तंत्र का विकास–आत्मनिर्भर भारत का मार्ग' विषय पर एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया था। प्रदर्शनी के दौरान प्रयोगशाला द्वारा विकसित 40 से अधिक प्रौद्योगिकियों और उत्पादों को प्रदर्शित किया गया।

जोधपुर शहर के स्कूली छात्रों और आम जनता सहित लगभग 2000 आगंतुकों ने प्रदर्शनी का दौरा किया और प्रयोगशाला की वैज्ञानिक उपलब्धियों की झलक देखी।

## डीएमआरएल, हैदराबाद

रक्षा धातुकर्म अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएमआरएल), हैदराबाद ने 15 अगस्त 2023 को मुख्य भवन लॉन में 76वां स्वतंत्रता दिवस मनाया। डीएमआरएल के उत्कृष्ट वैज्ञानिक और निदेशक डॉ आर बालामुरलीकृष्णन ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया, जिसके बाद राष्ट्रगान गाया गया। डॉ बालामुरलीकृष्णन ने अपने संबोधन में वर्ष के दौरान प्रयोगशाला की प्रगति का पता लगाया और विभिन्न कार्य क्षेत्रों और परियोजनाओं में उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने वर्ष के दौरान आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों और किए गए कई कल्याणकारी उपायों की भी रूपरेखा प्रस्तुत की।

## इनमास, दिल्ली

नाभिकीय औषधि तथा सम्बद्ध विज्ञानं संस्थान (आईएनएमएएस), दिल्ली ने 08 जुलाई 2023 को एक ओपन डे और आउटडोर प्रदर्शनी का आयोजन किया। विभिन्न कॉलेजों के 175 से अधिक कॉलेज छात्रों ने प्रदर्शनी में भाग लिया। विद्यार्थियों ने सक्रिय एवं उत्साहपूर्वक प्रदर्शनी का अवलोकन किया। छात्रों ने पशु पीईटी,

डॉ अनिल कुमार मिश्रा, वैज्ञानिक 'जी' और निदेशक, इनमास, दिल्ली में आजादी का अमृत महोत्सव मनाने के दौरान छात्रों से बातचीत करते हुए

मानव पीईटी, विकिरण काउंटरमेजर्स प्रयोगशाला और प्रायोगिक पशु सुविधा जैसी विभिन्न सुविधाओं का भी दौरा किया।

इस अवसर पर, डॉ अनिल कुमार मिश्रा, वैज्ञानिक 'जी' और निदेशक, इनमास ने छात्रों के साथ बातचीत की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि, अनुवाद अनुसंधान के माध्यम से, हम सभी अपने राष्ट्र को 'आत्मनिर्भर' बना सकते हैं। एक अन्य सत्र में, डॉ सुधीर चांदना, वैज्ञानिक 'जी' ने देश की आत्मनिर्भरता और विकास में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के महत्व को समझाया। इसके अलावा, अन्य संकायों, डॉ हिमांशु ओझा, वैज्ञानिक 'ई', डॉ बीजी रॉय, वैज्ञानिक 'ई', डॉ जुबली पुरकायस्थ, वैज्ञानिक 'ई', और श्री प्रदीप गोस्वामी, वैज्ञानिक 'ई' ने भी अपने संबंधित डोमेन अनुभव साझा किए। डॉ ओझा प्रदर्शनी के नोडल अधिकारी थे।

## आईआरडीई, देहरादून

उपकरण अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान (आईआरडीई), देहरादून ने 15 अगस्त 2023 को बड़े उत्साह और देशभक्तिपूर्ण उत्साह के बीच 77वां स्वतंत्रता दिवस मनाया। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ अजय कुमार, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, आईआरडीई द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराने और उसके बाद राष्ट्रगान से हुई। आईआरडीई के निदेशक ने सभा को संबोधित किया और आजादी के बाद से डीआरडीओ की महत्वपूर्ण उपलब्धियों पर जोर देने के साथ देश की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला।

डॉ अजय कुमार ने 15 अगस्त 2023 को आईआरडीई न्यूजलेटर, 'दृष्टि' (डिटेक्शन रिकॉग्निशन आइडेंटिफिकेशन सर्च होमिंग एंड ट्रैकिंग विद इनोवेशन) का नवीनतम अंक जारी किया। दृष्टि आईआरडीई का अर्द्धवार्षिक प्रकाशन है, जिसमें आईआरडीई के नव विकसित उत्पादों, परीक्षणों, महत्वपूर्ण घटनाओं, यात्राओं, सेवानिवृत्ति आदि से संबंधित सभी समाचार शामिल हैं। दृष्टि के विमोचन के दौरान, निदेशक आईआरडीई ने इस मुद्दे को समय पर सामने लाने के लिए दृष्टि की संपादकीय टीम के प्रयासों की सराहना की।

## एलआरडीई, बेंगलुरु

22 जुलाई 2023 को आजादी का अमृत महोत्सव अभियान के तहत इलेक्ट्रॉनिक्स एवं राडार विकास स्थापना (एलआरडीई), सूक्ष्मतरंग नलिका अनुसन्धान एवं विकास केंद्र (एमटीआरडीसी), और युद्धक विमान प्रणालियाँ एवं एकीकरण केंद्र (कैसडिक), बेंगलुरु द्वारा एक साथ एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया था।

प्रदर्शनी के दौरान, विभिन्न प्रोटोटाइप, मॉडल, पोस्टर, वीडियो और वास्तविक सिस्टम प्रदर्शित किए गए। प्रदर्शनी को स्कूली छात्रों, कॉलेज छात्रों और आम जनता ने देखा।

श्री गमपाला विश्वम, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, एलआरडीई ने प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। डॉ सुब्रत कुमार दत्ता, वैज्ञानिक 'एच' और केंद्र प्रमुख, एमटीआरडीसी; श्री सीएच दुर्गा प्रसाद, वैज्ञानिक 'जी, केंद्र प्रमुख, कैसडिक; केन्द्रीय विद्यालय डीआरडीओ के प्राचार्य; और निदेशक, प्रशासन कार्यालय महानिदेशक (ईसीएस) भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

इस कार्यक्रम को देखने के लिए 20 से अधिक स्कूल अपने छात्रों को लेकर आये। इसके अलावा, लगभग 4000 छात्रों, 200 शिक्षकों और आम जनता के 500 सदस्यों ने प्रदर्शनी का दौरा किया।

## एमटीआरडीसी, बेंगलुरु

स्वतंत्रता दिवस 2023 15 अगस्त 2023 को सूक्ष्मतरंग नलिका अनुसन्धान एवं विकास केंद्र (एमटीआरडीसी), एन्क्लेव, बेंगलुरु में बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। एमटीआरडीसी के उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं केंद्र प्रमुख डॉ एसके दत्ता ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। उन्होंने सभा को संबोधित भी किया। बच्चों के लिए फैंसी ड्रेस और गायन कार्यक्रम जैसे विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्रतिभागियों को पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

# स्थापना दिवस समारोह

## एआरडीई, पुणे

आयुध अनुसंधान और विकास प्रतिष्ठान (एआरडीई), पुणे ने 2 सितंबर 2023 को अपना 65वां स्थापना दिवस मनाया। डॉ समीर वी कामत, सचिव डीडी आर एंड डी एवं अध्यक्ष डीआरडीओ ने मुख्य अतिथि के रूप में और डॉ एसवी गड़े, महानिदेशक (एसीई) ने इस कार्यक्रम में सम्मानित अतिथि के रूप में इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

इस विशेष अवसर पर मुख्य अतिथि द्वारा स्ट्रक्चर्स डिजाइन सेंटर नामक एक प्रौद्योगिकी केंद्र का उद्घाटन किया गया। वृक्षारोपण अभियान के तहत सभी गणमान्य व्यक्तियों ने वृक्षारोपण गतिविधि में भाग लिया। एआरडीई के मुख्य प्रकोष्ठ के सामने एक खेल कार्यक्रम (मनोरंजक खेल) भी आयोजित किया गया।

श्री ए राजू, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, एआरडीई ने अपने संबोधन में विभिन्न उपलब्धियों और चल रही कई परियोजना गतिविधियों की प्रगति पर प्रकाश डाला, साथ ही एआरडीई की आगामी परियोजनाओं और विभिन्न परिचालन गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। डॉ एसवी गड़े ने निर्यात–गुणवत्ता वाले हथियार प्रणालियों के उत्पादन में एआरडीई के सभी कर्मचारियों द्वारा किए गए समर्पित कार्य की सराहना की। उन्होंने पिनाका रॉकेट सिस्टम के लिए निर्यात आदेश और एडवांस्ड टोड आर्टिलरी गन सिस्टम (एटीएजीएस) के लिए पाइपलाइन में आदेशों पर प्रकाश डाला। उन्होंने एआरडीई में भविष्य की परियोजनाओं की चुनौतीपूर्ण तकनीकी आवश्यकताओं का भी उल्लेख किया। मुख्य अतिथि डॉ समीर वी कामत ने एआरडीई कर्मचारियों को बधाई दी और देश की रक्षा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एआरडीई द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यों की सराहना की। उन्होंने वर्तमान परिदृश्य में अनुसंधान एवं विकास

की बदलती प्रकृति पर अपने विचार साझा किए और सभी को नई चुनौतियां लेने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि द्वारा 'कम्पेंडियम ऑफ टेक्नोलॉजीज फॉर आर्मामेंट्स' और प्रोजेक्ट मैनेजमेंट एक्जीक्यूशन सिस्टम सॉफ्टवेयर (एपेक्स) नामक पुस्तक का विमोचन किया गया। 25 वर्ष की सेवा पूरी करने वालों को प्रयोगशाला–स्तरीय डीआरडीओ पुरस्कार और स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए। श्री के के कुल्हारे, वैज्ञानिक 'जी' ने कार्यक्रम का समन्वय किया और धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

## डीआईपीआर, दिल्ली

गौरवशाली अवसर को चिह्नित करते हुए, रक्षा मनोवैज्ञानिक अनुसन्धान संस्थान (डीआईपीआर), दिल्ली ने 29 अगस्त 2023 को अपना 75वां स्थापना दिवस मनाया।

डॉ समीर वी कामत, सचिव, डीडीआरएंडडी और अध्यक्ष, डीआरडीओ, इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे, और डॉ यूके सिंह, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एलएस), सम्मानित अतिथि थे। इस कार्यक्रम में डॉ सुमा वर्गीस, महानिदेशक (एमसीसी), श्री पुरुषोत्तम बेज, महानिदेशक (आर एंड एम), श्री मनोरंजन पत्री, अध्यक्ष, सेप्टेम, दिल्ली स्थित डीआरडीओ प्रयोगशालाओं/स्थापनाओं के निदेशक, डीआरडीओ मुख्यालय के कॉर्पोरेट निदेशक, डीसीडीए ( आर एंड डी), वरिष्ठ वैज्ञानिक, सेवा अधिकारी, अन्य विशिष्ट अतिथि और डीआईपीआर परिवार के सदस्य भी उपस्थित थे।

डीआईपीआर की निदेशक डॉ अरुणिमा गुप्ता ने गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया और डीआईपीआर के निरंतर अनुसंधान योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 1943 में देहरादून में प्रायोगिक बोर्ड के रूप में स्थापित प्रयोगशाला, सैन्य मनोविज्ञान में अनुसंधान एवं विकास का नेतृत्व कर रही है और भारतीय सशस्त्र बलों के चयन, प्रशिक्षण और मनोवैज्ञानिक सहायता प्रदान करने के क्षेत्रों में पिछले

साढ़े सात दशकों से महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। डीआईपीआर के कर्तव्यों के चार्टर के मूल जनादेश और स्पेक्ट्रम में संभावित उम्मीदवारों का चयन शामिल है जो भारतीय सशस्त्र बलों में कमीशन अधिकारी के रूप में शामिल होते हैं। उन्होंने डीआईपीआर परिवार के प्रत्येक अतीत और वर्तमान सदस्य को डीआईपीआर की गौरवशाली यात्रा के दौरान उनके गैर–समानांतर योगदान के लिए बधाई दी और कर्मचारियों को खुद को फिर से समर्पित करने और सैन्य मनोविज्ञान में अत्याधुनिक नवाचारों को चलाने वाले नेताओं के रूप में पनपने, फलने–फूलने और खुद को बनाए रखने के लिए मिलकर प्रयास करने के लिए प्रेरित किया।

डॉ यूके सिंह ने इस बात पर जोर दिया कि अपनी स्थापना के बाद से, संस्थान का कार्यक्षेत्र कई नए आयाम जोड़कर और ताकत और दायरे में वृद्धि करके लगातार विकसित होता रहा है। उन्होंने प्रयोगशाला में किए जा रहे नए विकासों पर भी प्रकाश डाला और उनके निरंतर अनुसंधान एवं विकास योगदान के लिए डीआईपीआर टीम की सराहना की।

डॉ कामत ने डीआईपीआर परिवार को दशकों के अथक प्रयासों के लिए बधाई दी। उन्होंने वैज्ञानिक समुदाय से रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत को मजबूत करने और भविष्य की प्रौद्योगिकियों के विकास में तेजी लाने के लिए शिक्षा और उद्योग की क्षमता का उपयोग करने का आग्रह किया। कार्यक्रम के हिस्से के रूप में, उन्होंने शिक्षा में असाधारण सराहनीय प्रदर्शन के लिए डीआईपीआर बिरादरी के बच्चों को पुरस्कार भी वितरित किए। डॉ सौमी अवस्थी, वैज्ञानिक 'जी' और अतिरिक्त निदेशक, डीआईपीआर ने भारतीय सशस्त्र बलों को उनके निरंतर समर्थन और डीआईपीआर पर अपना भरोसा जताने के लिए आभार व्यक्त किया।महान दूरदर्शी नेताओं और डीआईपीआर के पूर्व सहयोगियों के अग्रणी योगदान को याद करते हुए, उन्होंने इस ऐतिहासिक अवसर

की शोभा बढ़ाने के लिए सभी गणमान्य व्यक्तियों को बहुत–बहुत धन्यवाद दिया और अंततः राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

## एनएसटीएल, विशाखापत्तनम

नौसेना विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एनएसटीएल), विशाखापत्तनम ने 21 अगस्त 2023 को अपना 54वां स्थापना दिवस मनाया। डॉ वाई श्रीनिवास राव, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एनएस एंड एम) मुख्य अतिथि थे और श्री बीवीएसएस कृष्ण कुमार, उत्कृष्ट वैज्ञानिक इस अवसर पर आमंत्रित अतिथि थे। कार्यक्रम की शुरुआत मंगलाचरण से हुई, जिसके बाद अध्यक्ष एलआरडीसी–2023, डॉ पीसी प्रवीण, वैज्ञानिक 'जी' ने स्वागत भाषण दिया। एनएसटीएल सिविल कर्मचारी संघ के सचिव श्री जेएन वर्मा ने पिछले वर्ष के दौरान एनएसटीएल द्वारा प्रदान की गई सामाजिक सेवा गतिविधियों के बारे में विस्तार से बताया। डॉ एचएन दास, वैज्ञानिक 'जी' और अध्यक्ष, वर्क्स कमेटी ने वर्क्स कमेटी की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत

की। एनएसटीएल के उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक डॉ अब्राहम वर्गीस ने एनएसटीएल की उत्पत्ति और देश में अत्याधुनिक प्रमुख नौसैनिक अनुसंधान प्रयोगशाला होने के वर्तमान चरण तक इसके विकास के बारे में बताया।

इस अवसर पर, विभिन्न राष्ट्रीय खेल और खेल गतिविधियों में एनएसटीएल का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ियों और 25 साल की सेवा पूरी करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सर्वश्रेष्ठ पुस्तकालय उपयोगकर्ता प्रशंसा पत्र भी वितरित किये गये। अपने भाषण में, मुख्य अतिथि डॉ राव ने राष्ट्र को सशक्त बनाने की दिशा में 54 वर्ष की यात्रा पूरी करने पर टीम एनएसटीएल को बधाई दी। उन्होंने कहा कि न सिर्फ भारतीय नौसेना बल्कि पूरे देश को एनएसटीएल से काफी उम्मीदें हैं। उन्होंने कहा कि एनएसटीएल अत्याधुनिक अन्तर्जलीय हथियारों के साथ देश को मजबूत करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास कर रहा है। उद्योगों के साथ–साथ शैक्षणिक संस्थानों के अभिन्न समर्थन से इसकी गारंटी दी जा रही है।

उन्होने इच्छा व्यक्त की कि एनएसटीएल के संवर्धन के साथ, विशाखापत्तनम अन्तर्जलीय हथियारों के उत्पादन के लिए उद्योग केंद्र बन सकता है।

# डीआरएल, तेजपुर में मानव संसाधन समन्वयकों की बैठक

डीआरडीओ में मानव संसाधन प्रक्रियाओं की बेहतरी के लिए डीआरडीओ मुख्यालय और प्रयोगशालाओं के मानव संसाधन विकास समन्वयकों के बीच बातचीत के साथ–साथ अनुभव और चिंताओं को साझा करने की सुविधा के लिए मानव संसाधन विकास निदेशालय (डीएचआरडी), डीआरडीओ मुख्यालय द्वारा हर साल मानव संसाधन समन्वयक बैठक का आयोजन किया जाता है। डीएचआरडी द्वारा तेजपुर में रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डीआरएल) के सहयोग से 14–16 सितंबर 2023 के दौरान वार्षिक मानव संसाधन समन्वयक बैठक–2023 का आयोजन किया गया था। मानव संसाधन समन्वयकों की बैठक का उद्घाटन उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एचआर) श्रीमती यू जया संथी ने किया।

बैठक में विभिन्न डीआरडीओ प्रयोगशालाओं के प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बैठक के दौरान डीआरडीओ की मानव संसाधन नीतियों और प्रथाओं के बारे में गहन विचार–विमर्श किया गया। डीआरडीओ की विभिन्न प्रयोगशालाओं और तकनीकी समूहों के प्रतिनिधियों ने भी अपने मानव संसाधन संबंधी मुद्दों और सर्वोत्तम प्रथाओं को प्रस्तुत किया। बैठक के दौरान, प्रतिनिधियों के ज्ञान संवर्धन के लिए विशेषज्ञों द्वारा एचआरएम से संबंधित विषयों पर विभिन्न वार्ताएं भी की गईं। प्रतिनिधियों को डीआरएल की विभिन्न अनुसंधान एवं विकास पहलों और उपलब्धियों का प्रदर्शन किया गया। बैठक के दौरान फुलवारी चाय बागान का दौरा भी आयोजित किया गया।

इस कार्यक्रम की सभी प्रतिभागियों ने बहुत सराहना की, जो तेजपुर में ताजा और उपयोगी प्रवास के बाद, डीआरडीओ में मानव संसाधन को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए नई प्रतिबद्धता के साथ अपनी–अपनी प्रयोगशालाओं में वापस चले गए।

# ब्रांड निर्माण- वैज्ञानिक और औद्योगिक प्रदर्शनियों में डीएमआरएल

रक्षा धातुकर्म अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएमआरएल), हैदराबाद ने 23–24 अगस्त 2023 के दौरान विशाखापत्तनम में मिसाइल प्रौद्योगिकी कॉन्क्लेव–सह–संगोष्ठी के दौरान आईएनएस कलिंग द्वारा आयोजित प्रदर्शनी अमृत–2023 (मिसाइल मरम्मत और स्वदेशीकरण प्रौद्योगिकियों में आत्मनिर्भरता) में भाग लिया।

आईएनएस कलिंग पूर्वी नौसेना कमान का प्रमुख मिसाइल बेस है, जिसे कमान के जहाजों और पनडुब्बियों तक मिसाइलों के भंडारण, तैयारी और वितरण की जिम्मेदारी सौंपी गई है। डीएमआरएल ने मिसाइल प्रणालियों के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण कुछ उत्पाद और प्रौद्योगिकियां विकसित की हैं, जिन्हें प्रदर्शनी में प्रदर्शित किया गया। उचित परिश्रम के बाद उत्पादों का चयन बहुत सावधानी से किया गया और उन्हें बहुत उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली।

# गुजकोस्ट द्वारा आयोजित स्टेम प्रतियोगिताओं के विजेताओं का दौरा

गुजरात काउंसिल ऑन साइंस एंड टेक्नोलॉजी (गुजकोस्ट) द्वारा आयोजित भारत के सबसे बड़े विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (स्टेम) प्रतियोगिता 2.0 के 21 विजेताओं ने अपने गुरुओं के साथ 21 अगस्त 2023 को रक्षा प्रयोगशाला, जोधपुर (डीएलजे) का दौरा किया। यात्रा का उद्देश्य छात्रों को आधुनिक विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के नए और आकर्षक क्षेत्रों का पता लगाने के लिए एक मंच प्रदान करना था।

श्री आरवी हारा प्रसाद, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, डीएलजे, ने वरिष्ठ वैज्ञानिकों के साथ, छात्रों से बातचीत की और युवा दिमागों को काम में जुनून विकसित करने और अमृत–काल के दौरान विश्व स्तरीय नेता बनने के लिए देश के विकास में योगदान देने के सिलए प्रेरित किया।

# डीएलआरएल में 24वीं ई-संसाधन निगरानी समिति की बैठक

रक्षा वैज्ञानिक सूचना एवं प्रलेखन केंद्र (डेसीडॉक), दिल्ली ने 22 सितंबर 2023 को रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएलआरएल), हैदराबाद में 24वीं ई–संसाधन निगरानी समिति की बैठक आयोजित की। बैठक की अध्यक्षता डॉ एम चक्रवर्ती, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं सह निदेशक, डीएलआरएल हैदराबाद ने की। डेसीडॉक, दिल्ली द्वारा प्रदान की जाने वाली ई–संसाधन सेवा से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करने के लिए समय–समय पर बैठक आयोजित की जाती है। डॉ पीवीआरआर भोगेंद्र राव, वैज्ञानिक 'जी', डीआरडीएल, ई–संसाधन निगरानी समिति के अध्यक्ष और विभिन्न समूहों के सदस्य भी उपस्थित

थे। बैठक के दौरान, डेसीडॉक के निदेशक डॉ के नागेश्वर राव ने डेसीडॉक की डिजिटल लाइब्रेरी पर एक प्रदर्शन भी दिया।

# विश्वकर्मा पूजा-2023 समारोह

## डेसीडॉक, दिल्ली

रक्षा वैज्ञानिक सूचना एवं प्रलेखन केंद्र (डेसीडॉक), दिल्ली ने 18 सितंबर 2023 को विश्वकर्मा पूजा–2023 मनाई। यह शुभ दिन भगवान विश्वकर्मा को समर्पित है, जो ब्रह्मांड के निर्माता के रूप में प्रतिष्ठित हैं। यह दिन विभिन्न उद्योगों के इंजीनियरों, कारीगरों और कर्मचारियों की क्षमताओं और कारीगरी का सम्मान करता है। डेसीडॉक के निदेशक डॉ के नागेश्वर राव द्वारा पूजा की गई और इसमें डेसीडॉक के सभी अधिकारी और कर्मचारी शामिल हुए।

## डीएमएसआरडीई, कानपुर

रक्षा सामग्री और भंडार अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान (डीएमएसआरडीई), कानपुर ने 18 सितंबर 2023 को विश्वकर्मा पूजा–2023 मनाई। टीसी और एचआरडी विभाग ने अनुसंधान एवं विकास क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए भगवान विश्वकर्मा का आशीर्वाद लेने के लिए डीएमएसआरडीई के प्रिंटिंग प्रेस में केंद्रीकृत पूजा का आयोजन किया।

डॉ मयंक द्विवेदी, उत्कृष्ट वैज्ञानिक ने सभी डीएमएसआरडीई सदस्यों के साथ हवन किया। कार्यक्रम का समन्वयन श्री अमित सरैया, वैज्ञानिक 'एफ' और डॉ मोहित कटियार, वैज्ञानिक 'ई' द्वारा किया गया।

# आरएएफ के लिए लेजर डैजलर का प्रदर्शन

उपकरण अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान (आईआरडीई), देहरादून ने 4 सितंबर 2023 को रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ, सीआरपीएफ) के अधिकारियों के बोर्ड (बीओओ) के समक्ष लेजर डैजलर के हाथ से पकड़े जाने वाले और ट्राइपॉड–माउंटेड संस्करणों का सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया। अधिकारियों के बोर्ड (बीओओ), जिसमें आरएएफ के डीआईजी और कमांडेंट शामिल थे, ने उपकरण की सराहना की और व्यक्त किया कि लेजर डैजलर भीड़ नियंत्रण कार्यों में आरएएफ की सहायता करने में एक बल गुणक होंगे। आईआरडीई (तत्कालीन लास्टेक) की टीम द्वारा विकसित लेजर डैजलर गैर–घातक उपकरण हैं जो भीड़ में शामिल लोगों की आंखों में अस्थायी जलन पैदा कर सकते हैं। प्रदर्शन की व्यवस्था कम तीव्रता संघर्ष निदेशालय (डीएलआईसी), डीआरडीओ मुख्यालय द्वारा की गई थी।

श्री राजीव कुमार, डीआईजी आरएएफ एवं टीम डैजलर के साथ

# आंध्र प्रदेश आईबी विभाग में एफआरएसडी का प्रदर्शन

डीवाईएसएल–एआई के युवा वैज्ञानिकों ने कम तीव्रता वाले संघर्ष निदेशालय (डीएलआईसी) के साथ बातचीत की और 11 सितंबर 2023 को विजयवाड़ा में आंध्र प्रदेश इंटेलिजेंस ब्यूरो मुख्यालय में मुखोटे में चेहरे की पहचान प्रणाली (एफआरएसडी) का लाइव प्रदर्शन किया। उपस्थित लोगों द्वारा कृत्रिम बुद्धिमत्ता–आधारित उन्नत सॉफ्टवेयर तकनीक की अत्यधिक सराहना की गई, और यह सामने आया कि यह क्षेत्र–वार तैनात कैमरा नेटवर्क से छद्मवेशी संदिग्ध व्यक्तियों की वास्तविक समय में पहचान करने में उपयोगी होगी।

आईबी विभाग ने डीआरडीओ से अपने मौजूदा सुरक्षा ढांचे पर अवधारणा का प्रमाण देने का अनुरोध किया है, जिसके बाद पूरे राज्य में पूर्ण पैमाने पर कार्यान्वयन किया जाएगा।

डीवाईएसएल-एआई एवं डीएलआईसी टीम आंध्र प्रदेश इंटेलिजेंस ब्यूरो विभाग से आए प्रतिभागियों के साथ

# जी-20 के दौरान एंटी ड्रोन प्रणाली की तैनाती

जी–20, 9 और 10 सितंबर 2023 के दौरान भारत द्वारा आयोजित एक प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम हाल ही में संपन्न हुआ, जिसमें कई सुरक्षा एजेंसियों और सरकारी संगठनों को नामित एनसीआर क्षेत्र में ड्रोन–विरोधी कवर प्रदान करने का काम सौंपा गया था। इसके अनुरूप, डीआरडीओ को एक व्यापक एंटी–ड्रोन प्रणाली तैनात करने और इसे केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों के कमांड और कंट्रोल पोस्ट के साथ एकीकृत करने का काम सौंपा गया था।

डॉ चन्द्रिका कौशिक, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (पीसी एण्ड एसआई) द्वारा निरीक्षण

डीआरडीओ ने विभिन्न प्रयोगशालाओं, जैसे एलआरडीई, डीएलआरएल, चेस, आईआरडीई, डीएलआईसी और उत्पादन भागीदार मेसर्स भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड की टीमों के साथ मिलकर निर्दिष्ट अवधि के दौरान 24X7 संचालन के साथ डी4 काउंटर ड्रोन सिस्टम को तैनात करके तकनीकी और परिचालन सहायता प्रदान की। एमएचए ने कार्यक्रम के सफल आयोजन में योगदान के लिए डीआरडीओ वैज्ञानिकों के प्रयासों की सराहना की है।

# सीएपीएफ के समक्ष मैन-पैक एसडीआर का प्रदर्शन

रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स अनुप्रयोग प्रयोगशाला (डील), देहरादून ने मेसर्स भारत इलेक्ट्रॉनिक लिमिटेड (बीईएल), पंचकुला की उत्पादन एजेंसी के साथ मिलकर भारतीय सेना के लिए सॉफ्टवेयर डिफाइंड रेडियो (एसडीआर) का एक मैन–पैक संस्करण विकसित किया है। एसडीआर के उपयोगकर्ता परीक्षणों के बाद, डील ने सीएपीएफ के लिए उपकरणों के प्रदर्शन की व्यवस्था की है। भारत–तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी), सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ), इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी), सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), असम राइफल्स और केंद्रीय आरक्षित पुलिस बल (सीआरपीएफ) के अधिकारी बीईएल की पंचकुला सुविधा में 25 अगस्त 2023 को इस प्रदर्शन के साक्षी रहे। इस कार्यक्रम का समन्वय कम तीव्रता संघर्ष निदेशालय (डीएलआईसी), डीआरडीओ मुख्यालय द्वारा किया गया था।

श्री महेश कलावत, डीआइजी, आईटीबीपी ने डीआरडीओ से अपने उत्तर–पूर्व तैनाती स्थानों पर उपकरणों के क्षेत्र परीक्षणों के लिए अनुरोध किया।

सीएपीएफ अधिकारियों को मैन-पैक एसडीआर की जानकारी दी जा रही है ☞

# हिन्दी कार्यशालाएँ

## डीआईपीआर, दिल्ली

रक्षा मनोवैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान (डीआईपीआर), दिल्ली ने 23 जून 2023 और 21 अगस्त 2023 को हिंदी कार्यशालाएँ आयोजित कीं। 23 जून 2023 को आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला का विषय 'सोशल मीडिया और हिंदी' था। दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर और प्रमुख डॉ आलोक रंजन पांडे अतिथि वक्ता थे और अपने संबोधन के दौरान उन्होंने डिजिटल स्रोतों के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला, जिसमें सोशल मीडिया की संभावनाएं और गलत सूचना और फर्जी खबरों की उभरती चुनौतियां शामिल थीं।

21 अगस्त 2023 को, डॉ गोविंद कुमार, एसएओ–I, डीआईपीआर ने केंद्रीय सिविल सेवा (आचरण) नियमों पर एक व्याख्यान दिया। व्यावहारिक बातचीत में आचरण नियमों का सार, केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए विशिष्ट क्या करें और क्या न करें, सरकारी दिशानिर्देश और सर्वोत्तम प्रथाओं को शामिल किया गया।

डीआईपीआर की निदेशक डॉ अरुणिमा गुप्ता ने कार्यशालाओं के अतिथि वक्ताओं डॉ आलोक रंजन पांडे और डॉ गोविंद कुमार, एसएओ–I को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि इन विचार–विमर्शों के माध्यम से हिंदी को प्रभावी ढंग से बढ़ावा देने और दिन–प्रतिदिन की आधिकारिक गतिविधियों को सुव्यवस्थित करने के लिए कई नए विचार सामने आते हैं। डीआईपीआर के सहायक निदेशक (ओएल) श्री अशोक कुमार ने कार्यक्रमों का समन्वय किया।

## डीएमआरएल, हैदराबाद

रक्षा धातुकर्म अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएमआरएल), हैदराबाद द्वारा 25 अगस्त 2023 को वैज्ञानिक 'सी' से वैज्ञानिक 'ई' तक के लिए एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में पैंतीस वैज्ञानिकों ने भाग लिया। कार्यशाला का संचालन हिंदी शिक्षण योजना, हैदराबाद के सहायक निदेशक श्री संतोष कुमार ने किया। उन्होंने राजभाषा से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण नियमों पर व्याख्यान दिया। उन्होंने हिंदी टाइपिंग के लिए यूनिकोड के उपयोग का वर्णन किया और वॉयस टाइपिंग और हिंदी टाइपिंग से संबंधित विभिन्न स्मार्ट टूल्स पर प्रकाश डाला।

## डीएमएसआरडीई, कानपुर

23 अगस्त 2023 को रक्षा सामग्री और भंडार अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान (डीएमएसआरडीई), कानपुर में राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा 'राजभाषा का प्रगति प्रयोग एवं मनोविज्ञान' पर एक हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। डॉ ललित किशोर सिंह, निदेशक, मनोवैज्ञानिक परीक्षण और परामर्श केंद्र (पीटीसीसी), कानपुर कार्यशाला के दौरान आमंत्रित वक्ता थे। उन्होंने सरकारी अधिकारियों द्वारा अपने दैनिक कामकाज में अंग्रेजी के बराबर हिंदी के उपयोग से संबंधित मनोवैज्ञानिक मुद्दों के बारे में बात की। कार्यशाला के अंत में, डीएमएसआरडीई के उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक डॉ मयंक द्विवेदी ने वक्ता को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। कार्यशाला में संस्था के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। डॉ राकेश कुमार गुप्ता, वैज्ञानिक 'ई' और राजभाषा अधिकारी ने कार्यक्रम का समन्वय किया।

## आईआरडीई, देहरादून

उपकरण अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान (आईआरडीई), देहरादून ने 25 अगस्त 2023 को एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला आयोजित की। कार्यशाला का विषय 'हिंदी राजभाषा के विकास में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की भूमिका' था। कार्यशाला का उद्घाटन आईआरडीई के उत्कृष्ट वैज्ञानिक श्री नीरज भार्गव ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। अपने उद्घाटन भाषण में श्री भार्गव ने हिंदी के विकास में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के महत्व पर जोर दिया और प्रतिभागियों को इस कार्यशाला का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया। श्री एलएम पंत, वैज्ञानिक 'एफ' और उपाध्यक्ष, राजभाषा, ने प्रतिभागियों और कार्यशाला का परिचय दिया। श्री विनोद कुमार तनेजा, वरिष्ठ निदेशक (आईटी)

और प्रमुख, एनआईसी प्रशिक्षण इकाई, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी को व्याख्यान देने के लिए विशेष रूप से आमंत्रित किया गया था। कार्यशाला में आईआरडीई के अधिकारियों और कर्मचारियों सहित 48 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यशाला के अंत में, धन्यवाद ज्ञापन श्री कृष्ण मुरारी, तकनीकी अधिकारी 'सी' और नामांकित राजभाषा अधिकारी द्वारा दिया गया।

## एनएसटीएल, विशाखापत्तनम

वार्षिक हिंदी कार्यान्वयन कार्यक्रम के एक भाग के रूप में एनएसटीएल, विशाखापत्तनम ने 31 अगस्त, 2023 को 'राजभाषा हिंदी कार्यान्वयन और इसका महत्व' पर पहली हिंदी कार्यशाला आयोजित की। डॉ जयश्री रथ, एसटीओ और श्री संपद गुहा एसटीओ, एनएसटीएल, विशाखापत्तनम से वक्ता थे। एनएसटीएल के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी श्री सुवरो बनर्जी ने इस अवसर की शोभा बढ़ाई और प्रतिभागियों को राजभाषा के महत्व का वर्णन करते हुए एक उद्घाटन भाषण दिया। कार्यशाला में तैंतीस प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यशाला मुख्य रूप से प्रयोगशाला में नव भर्ती एसटीए 'बी' और तकनीशियनों के लिए आयोजित की गई थी।

## हृदय रक्षक सीपीआर और प्राथमिक चिकित्सा पर एक दिवसीय कार्यशाला

रक्षा धातुकर्म अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएमआरएल), हैदराबाद ने 24 अगस्त 2023 को डीएमआरएल के कर्मचारियों को न्यूनतम उपलब्ध उपकरणों के साथ जीवन रक्षक चिकित्सा आपात स्थितियों में प्रथम उत्तरदाताओं के रूप में प्रशिक्षित करने के उद्देश्य से एक हृदय रक्षक कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन (सीपीआर) और प्राथमिक चिकित्सा पाठ्यक्रम का आयोजन किया। कर्मचारियों को दृश्य सुरक्षा, व्यक्तिगत सुरक्षा और आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली को कैसे सक्रिय किया जाए, इसके बारे में सीखने के लिए प्रशिक्षित किया गया। कार्यक्रम को अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन द्वारा प्रमाणित किया गया था, प्रमुख प्रशिक्षक मेजर (डॉ) शशांक कुमार श्रीवास्तव, चिकित्सा अधिकारी, डीएमआरएल, और डॉ बी विजयानंद, प्रमुख, केयर इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ साइंस (सीआईएचएस), हैदराबाद में सेफरकेयर सिमुलेशन लैब, थे। पाठ्यक्रम पूरा होने पर, सभी प्रतिभागियों का कौशल परीक्षण होता है। सभी उम्मीदवारों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर वैध प्रमाणीकरण और हार्ट सेवर प्रोवाइडर कार्ड प्राप्त हुआ, जो दुनिया भर में आपात स्थिति में प्राथमिक चिकित्सा प्रदान करने का लाइसेंस है।

# एएसएल में मिश्रित संरचनाओं के विकास में नवीनतम प्रवृत्तियों पर पाठ्यक्रम

उन्नत प्रणाली प्रयोगशाला (एएसएल), हैदराबाद ने 7–9 अगस्त 2023 के दौरान 'समग्र संरचनाओं के विकास में हालिया रुझान' पर तीन दिवसीय सतत शिक्षा कार्यक्रम (सीईपी) का आयोजन किया। मुख्य अतिथि, श्री बीवी पापाराव, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, एएसएल ने पाठ्यक्रम का उद्घाटन किया और प्रतिभागियों को संबोधित किया। डॉ मनोज कुमार बुरागोहेन, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं सह निदेशक; डॉ अनिल कुमार, समूह निदेशक; श्री के रामास्वामी, प्रौद्योगिकी निदेशक सीपीसी; श्री पी सुंदर सिंह, प्रौद्योगिकी निदेशक सीपीडीसी; और पाठ्यक्रम निदेशक श्री राजेश अडांकी ने इस अवसर की शोभा बढ़ाई। पाठ्यक्रम ने सामग्री चयन, डिजाइन पहलुओं, उत्पाद विकास, परीक्षण और मरम्मत प्रौद्योगिकियों से लेकर समग्र संरचनाओं के विकास के

विभिन्न पहलुओं में अंतर्दृष्टि प्रदान की। पाठ्यक्रम में 19 डीआरडीओ प्रयोगशालाओं के 87 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रख्यात वक्ताओं के व्याख्यान के अलावा, सीपीडीसी सुविधा का दौरा भी आयोजित किया गया था।

# पर्वतीय भू-खतरों के शमन के लिए कृत्रिम उत्प्रेरक प्रौद्योगिकियों पर पाठ्यक्रम

रक्षा भू–सूचना विज्ञान अनुसंधान प्रतिष्ठान (डीजीआरई), चंडीगढ़ ने हिमस्खलन और भूस्खलन के खतरे से निपटने के लिए तकनीकी जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से 21–23 अगस्त 2023 के दौरान 'पर्वतीय भू–खतरों के शमन के लिए कृत्रिम ट्रिगरिंग टेक्नोलॉजीज' पर तीन दिवसीय पाठ्यक्रम का आयोजन किया। पीएक्सई, बालासोर और डीजीआरई के एमएमसी श्रीनगर, आरडीसी मनाली, आरडीसी तेजपुर और आरडीसी लाचुंग जैसी अन्य डीआरडीओ प्रयोगशालाओं के प्रतिभागियों सहित डीआरडीओ के कुल 25 अधिकारियों ने पाठ्यक्रम में भाग लिया। डॉ पीके सत्यवली, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, डीजीआरई ने पाठ्यक्रम का

उद्घाटन किया और हिमालय में भू–खतरों को कम करने में कृत्रिम ट्रिगरिंग और उनके अनुप्रयोग जैसी नवीन तकनीकों को सीखने की आवश्यकता पर जोर दिया। विभिन्न डीआरडीओ प्रयोगशालाओं के प्रौद्योगिकीविदों और चिकित्सकों ने वैज्ञानिक वार्ताएँ दीं। सह निदेशक डॉ आमोद कुमार ने प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किये। डॉ जिमी कंसल, वैज्ञानिक 'एफ', पाठ्यक्रम निदेशक थे और दिवाकर शर्मा, वैज्ञानिक 'ई' उप पाठ्यक्रम निदेशक थे।

# डीआईपीआर में समूह परीक्षण अधिकारी पाठ्यक्रम

24 जुलाई 2023 से 25 अगस्त 2023 के दौरान रक्षा मनोवैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान (डीआईपीआर), दिल्ली द्वारा पांच सप्ताह का समूह परीक्षण अधिकारी (जीटीओ) पाठ्यक्रम आयोजित किया गया था। इस पाठ्यक्रम में त्रि–सेवाओं और तटरक्षक बल के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। पाठ्यक्रम में व्यक्तित्व मूल्यांकन, सैन्य मनोविज्ञान और अधिकारी चयन प्रणाली से संबंधित कई सत्र थे, और प्रशिक्षु अधिकारियों को अधिकारी संवर्ग के उम्मीदवारों के मूल्यांकन के लिए समूह परीक्षण तकनीकों पर विशेष प्रशिक्षण दिया गया था। पाठ्यक्रम में व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने के लिए कुछ पहचाने गए कार्यों का लाइव प्रदर्शन भी शामिल था। प्रशिक्षण पूरा होने पर, सफल प्रशिक्षु चयन बोर्ड में जीटीओ/मूल्यांकनकर्ता बन जाते हैं।

डीआईपीआर की निदेशक डॉ अरुणिमा गुप्ता ने प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों की सक्रिय भागीदारी और उनकी सकारात्मक प्रतिक्रिया की सराहना करते हुए मूल्यांकनकर्ताओं को प्रशिक्षण देने और योग्यता निर्माण के लिए प्रयोगशाला द्वारा आयोजित विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रमों की एक श्रृंखला के हिस्से के रूप में पाठ्यक्रम के संचालन में शामिल ट्रेनिंग स्कूल की टीम के प्रयासों की सराहना की।

# डीआरएल द्वारा उत्तर-पूर्व भारत में मोटा अनाज विविधता पर कार्यशाला

16 अगस्त 2023 को अरुणाचल प्रदेश के पश्चिम कामेंग जिले के डुथुंग गांव में 'उत्तर–पूर्व भारत की मोटा अनाज विविधता' पर एक कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला का उद्देश्य खाद्य और पोषण सुरक्षा के संदर्भ में मोटा अनाज के महत्व के बारे में जनता को जागरूक करना और उनके उत्पादन और गुणवत्ता में सुधार करना था। कार्यशाला में मोटा अनाज के विभिन्न पहलुओं, जैसे उनकी विविधता, खेती के तरीके, पोषण संबंधी लाभ, मूल्य संवर्धन आदि के बारे में जानकारी दी गई। इसके अलावा, एक प्रकार का अनाज और मोटा अनाज पर अच्छी कृषि पद्धतियों के

बारे में भी बताया गया, क्योंकि इन फसलों की खेती पारंपरिक रूप से स्थानीय लोगों द्वारा की जाती है। कार्यक्रम में कुल 30 ग्रामीणों ने भाग लिया।

# डीएमआरएल में उन्नत कार्यात्मक सामग्री पर पाठ्यक्रम

रक्षा धातुकर्म अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएमआरएल), हैदराबाद ने 07–09 अगस्त 2023 के दौरान 'उन्नत कार्यात्मक सामग्रीः प्रसंस्करण, विशेषता और उत्पाद प्राप्ति' पर एक पाठ्यक्रम का आयोजन किया। पाठ्यक्रम का उद्देश्य कार्यात्मक सामग्रियों की एक विस्तृत श्रृंखला को कवर करना था, जैसे चुंबकीय, मैग्नेटो–इलेक्ट्रिक, पीजो–इलेक्ट्रिक, फेरो–इलेक्ट्रिक, माइक्रो–वेव अवशोषण और आरएफ ट्रांसमिशन। रणनीतिक अनुप्रयोगों के लिए उपयोगी उत्पादों को साकार करने के संदर्भ में उनके नैनो, पतली फिल्म और थोक रूपों में कार्यात्मक सामग्रियों के प्रसंस्करण और लक्षण वर्णन पर विशेष जोर दिया गया था। प्रतिभागियों के साथ अपने ज्ञान और विशेषज्ञता को साझा करने के लिए शिक्षा जगत, अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशालाओं और प्रतिष्ठित उद्योगों के प्रतिष्ठित वक्ताओं को आमंत्रित किया गया था।

पाठ्यक्रम का उद्घाटन आईआईटी बॉम्बे के प्रसिद्ध प्रोफेसर डॉ केजी सुरेश द्वारा 'एप्लाइड मैग्नेटिक मैटेरियल्सः वर्तमान और भविष्य के हित के कुछ विषय' विषय पर मुख्य व्याख्यान के साथ किया गया।

इस पाठ्यक्रम ने वैज्ञानिकों और अधिकारियों के बीच गहरी दिलचस्पी पैदा की, जैसा कि डीएमआरएल और अन्य डीआरडीओ प्रयोगशालाओं से लगभग 30 नामांकित व्यक्तियों की भारी भागीदारी से पता चला है।

# डीआईपीआर में परियोजना प्रबंधन पर पाठ्यक्रम

04–06 सितंबर 2023 के दौरान इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी मैनेजमेंट (आईटीएम), मसूरी के सहयोग से रक्षा मनोवैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान (डीआईपीआर), दिल्ली में 'प्रोजेक्ट मैनेजमेंट' पर तीन दिवसीय विशेष पाठ्यक्रम आयोजित किया गया था।

डीआईपीआर की निदेशक डॉ अरुणिमा गुप्ता ने आईटीएम के निदेशक श्री एसए कट्टी का स्वागत किया और पाठ्यक्रम का उद्घाटन किया। अपने उद्घाटन भाषण के दौरान, डॉ अरुणिमा गुप्ता ने आईटीएम

को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद दिया और विशेष पाठ्यक्रम के आयोजन में उनके प्रयासों के लिए एचआरसी और डीआईपीआर की सराहना की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि एक अच्छी तरह से परिभाषित और संरचित तंत्र किसी भी परियोजना की सफलता के लिए अभिन्न अंग है, और इस दिशा में, विशेष प्रशिक्षण मॉड्यूल को उन बहुआयामी पहलुओं को व्यापक रूप से उजागर करने और कवर करने के लिए डिजाइन किया गया है जो किसी परियोजना टीम के प्रत्येक सदस्य के लिए महत्व रखते हैं। श्री एसए कट्टी ने एक केस स्टडी के साथ अपनी अंतर्दृष्टि साझा की और प्रतिभागियों के साथ बातचीत की।

कई सत्रों को अनुकूलित किया गया, और चुनौतियों, सर्वोत्तम प्रथाओं, विशेष प्रावधानों और लेखापरीक्षा सहित परियोजना प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं का अवलोकन प्रदान करते हुए जानकारीपूर्ण व्याख्यान दिए गए।

# सेवानिवृत्ति पश्चात लाभों पर पाठ्यक्रम

## डिपास, दिल्ली

जोनल स्तर पर डीआरडीओ के सभी सेवानिवृत्त अधिकारियों के लिए रक्षा शरीरक्रिया एवं सम्बद्ध विज्ञानं संस्थान (डिपास), दिल्ली द्वारा 4–5 सितंबर 2023 को दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था। कार्यक्रम का उद्घाटन सेप्टेम के अध्यक्ष डॉ मनोरंजन पात्री ने किया। डिपास के निदेशक डॉ राजीव वार्ष्णेय ने स्वागत भाषण और प्रशिक्षण के लिए परिचयात्मक व्याख्यान दिया।

इस पाठ्यक्रम में विभिन्न डीआरडीओ प्रयोगशालाओं, जैसे इनमास, डीआईपीआर, सीएफईईएस, डेसीडॉक, सेप्टम, डीएचआरडी, आईआरडीई, टीबीआरएल से लगभग 25 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

प्रशिक्षण में पेंशनभोगियों के लिए स्पर्श, पेंशन लाभ, निवेश प्रबंधन, कर प्रबंधन, योग के माध्यम से री–इंजीनियरिंग, तनाव प्रबंधन और स्वास्थ्य एवं कल्याण जैसे विषय शामिल थे।

## डीएलजे, जोधपुर

19–20 जुलाई 2023 के दौरान प्रशिक्षण संस्थान में रक्षा प्रयोगशाला, जोधपुर (डीएलजे) के कर्मचारियों के लिए 'सेवानिवृत्ति के बाद पात्रता और लाभ' पर दो दिनों की अवधि का एक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किया गया था। पाठ्यक्रम का उद्घाटन श्री आरवी हारा प्रसाद, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, डीएलजे द्वारा किया गया था।

इस पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सेवानिवृत्ति के बाद के लाभों पर प्रकाश डालना और सेवानिवृत्ति के बाद स्वस्थ जीवन कैसे जीना है, इस पर प्रकाश डालना था।

# एनएसटीएल में एफईए/सीएफडी पर अनुभव साझा करने की कार्यशाला

नौसेना विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एनएसटीएल), विशाखापत्तनम ने 22 अगस्त 2022 को एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। जहाज अभिकल्पन और विश्लेषण से संबंधित भौतिक घटनाओं के अनुकरण के लिए कम्प्यूटेशनल तरल गतिशीलता और परिमित तत्व विश्लेषण अनुप्रयोग टूल पर भारतीय नौसेना और एनएसटीएल के अनुभव को साझा करने के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया।

प्रारंभ में, डॉ एचएन दास, वैज्ञानिक 'जी, ने हाइड्रोडायनामिक अनुसंधान और प्रोपेलर अभिकल्पन के क्षेत्र में सीएफडी के अनुप्रयोग के बारे में प्रारंभिक टिप्पणी दी। एनएसटीएल के वैज्ञानिकों और डब्ल्यूडीबी, एसडीजी और डीएनए के भारतीय नौसेना अधिकारियों ने भाग लिया और संबंधित क्षेत्रों में अपना काम प्रस्तुत किया।

कार्यशाला के दौरान, हाइड्रोडायनामिक्स और प्रोपेलर अभिकल्पन में सीएफडी, पानी के नीचे निकायों और जहाजों के अभिकल्पन में एफईए, और स्पष्ट गतिशीलता का उपयोग करके पानी के नीचे के झटके और विस्फोट के अध्ययन में एफईए पर चर्चा की गई।

इसके बाद Ansys-fluent, LSDyna, और MSC सॉफ्टवेयर द्वारा अतिथि व्याख्यान दिए गए।

एनएसटीएल के निदेशक की अध्यक्षता में प्रतिभागियों और वक्ताओं के बीच एक पैनल चर्चा आयोजित की गई।

श्री तापस रंजन पांडा, वैज्ञानिक 'ई', एनएसटीएल ने कार्यक्रम का सारांश प्रस्तुत किया।

# एमटीआरडीसी में केयू लिमाये स्मृति व्याख्यान

17 अगस्त 2023 को सूक्ष्म तरंग नलिका अनुसंधान एवं विकास केंद (एमटीआरडीसी), बेंगलुरु द्वारा श्री केयू लिमाये स्मृति व्याख्यान की व्यवस्था की गई थी। डॉ पी राधाकृष्ण, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, इलेक्ट्रॉनिक एवं राडार विकास स्थापना (एलआरडीई) (सेवानिवृत्त), कार्यक्रम के मुख्य अतिथि और वक्ता के रूप में इस अवसर पर उपस्थित थे।

डॉ पी राधाकृष्ण, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक,एलआरडीई (सेवानिवृत्त) द्वारा सम्बोधन

उन्होंने 'नेक्स्ट जेनरेशन रडार टेक्नोलॉजीज' पर मनोरम व्याख्यान दिया। डॉ सुधीर कामथ, महानिदेशक (एमईडी एवं सीओएस) (सेवानिवृत्त), इस कार्यक्रम के सम्मानित अतिथि थे।

डॉ सुधीर कामथ, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, एलआरडीई (सेवानिवृत्त) महानिदेशक (एमईडी एवं सीओएस) (सेवानिवृत्त), मुख्य अतिथि द्वारा सम्बोधन

परीक्षण और अंशांकन प्रयोगशालाओं के लिए राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड (एनएबीएल) ने हाल ही में मानक आईएसओ/आईईसी 17025:2017 के अनुसार अंशांकन के क्षेत्र में रक्षा धातुकर्म अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएमआरएल), हैदराबाद को मान्यता दी है।

# हाइपरसोनिक वाहनों के लिए उष्मीय-संरचनात्मक परीक्षण सुविधा

उन्नत प्रणाली प्रयोगशाला (एएसएल), हैदराबाद ने अनुसंधान केंद्र इमारत (आरसीआई) परिसर में हाइपरसोनिक वाहनों के लिए उष्मीय–संरचनात्मक परीक्षण सुविधा (टीएसटीएफ) की स्थापना की। इस सुविधा का उद्घाटन रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव और डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ समीर वी कामत ने श्री यू राजा बाबू, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एमएसएस), श्री बीवी पापाराव, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक एएसएल, डॉ आर बालामुरलीकृष्णन, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, डीएमआरएल, हैदराबाद, श्री अनिंद्य बिस्वास, निदेशक, आरसीआई, श्रीमती जे जस्टिना गीता, वैज्ञानिक 'जी' और परियोजना निदेशक, टीएसटीएफ, और श्री एस रामप्रसाद, वैज्ञानिक 'एफ' और उप परियोजना निदेशक, टीएसटीएफ की उपस्थिति में किया।

यह अनूठी सुविधा हाइपरसोनिक वाहनों के विकास और कार्यान्वयन चरणों के दौरान विभिन्न नमूनों और वर्गों पर उच्च ताप प्रवाह और लंबी अवधि के थर्मल परीक्षण करने के लिए स्थापित की गई है।

परीक्षण सुविधा के लिए विशिष्टताएँ इस प्रकार से हैं:

❄ सुविधा 150 डब्लू/सेमी$^2$ तक ताप प्रवाह (अधिकतम) प्रदान कर सकती है जो परीक्षण लेख पर 2000 डिग्री सेल्सियस के क्रम का तापमान उत्पन्न करती है

❄ आईआर हीटर और सहायक प्रणालियों के लिए थाइरिस्टर नियंत्रण की 15 संख्या

❄ फीडबैक नियंत्रण और सेंसर के लिए 512 डेटा अधिग्रहण चौनल

❄ परीक्षण माध्यम या तो वायु या अक्रिय गैस हो सकता है

❄ विभिन्न आकारों के जटिल परीक्षण–लेखों का परीक्षण किया जा सकता है

❄ परीक्षण हैंगर को समर्पित 16 एमवीए शक्ति

रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव और डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ समीर वी कामत उष्मीय-संरचनात्मक परीक्षण सुविधा का उद्घाटन करते हुए

## पदोन्नतियाँ

डॉ अमित भट्टाचार्जी, वैज्ञानिक 'जी', रक्षा धातुकर्म अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएमआरएल), हैदराबाद को उत्कृष्ट वैज्ञानिक के पद पर पदोन्नत किया गया है। डॉ भट्टाचार्जी कई एडीए–वित्त पोषित परियोजनाओं के परियोजना लीडर रहे हैं, जिनमें तेजस में संरचनात्मक वजन घटाने के लिए उच्च शक्ति बीटा टाइटेनियम मिश्र धातु, Ti-10V-2Fe-3Al का स्वदेशी विकास शामिल है; उच्च तापमान बीटा टाइटेनियम मिश्र धातु (टाइमेट 21एस) कोल्ड रोल्ड शीट का स्वदेशी विकास, और वर्तमान में एएमसीए के लिए टाइटेनियम मिश्र धातु और संबंधित विनिर्माण प्रौद्योगिकियों के स्वदेशी विकास के परियोजना निदेशक हैं।

डॉ भट्टाचार्जी अग्नि पुरस्कार 2007 के प्राप्तकर्ता हैं–आत्मनिर्भरता के लिए स्वदेशी टाइटेनियम प्रौद्योगिकी के विकास में योगदान के लिए एक टीम पुरस्कार; आईआईएम वार्षिक तकनीकी बैठकों में दो सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति पुरस्कार; इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स, तेलंगाना सरकार द्वारा इंजीनियर ऑफ द ईयर अवार्ड (2015); डीआरडीओ प्रयोगशाला पुरस्कार; साइंटिस्ट ऑफ द ईयर–2015; डीआरडीओ साइंटिस्ट ऑफ द ईयर–2021; और आईआईएम के अध्येता हैं। उनके पास राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में 70 से अधिक प्रकाशन और रिपोर्ट हैं और एयरोस्पेस मैटेरियल्स एंड मटेरियल टेक्नोलॉजीज वॉल्यूम 1, 2017, स्प्रिंगर में टाइटेनियम मिश्र धातुओं पर दो पुस्तक अध्याय हैं, और उन्होंने कई पीएचडी छात्रों का मार्गदर्शन किया है। डॉ अमित ने अमेरिका के कोलंबस में ओहियो स्टेट यूनिवर्सिटी में पोस्ट डॉक्टरल फेलो के रूप में भी काम किया, जहां उन्होंने फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) द्वारा वित्त पोषित परियोजना पर काम किया। उन्होंने एक वर्ष तक सहायक संकाय सदस्य के रूप में आईआईटी कानपुर में पाठ्यक्रम भी पढ़ाया।

वह वर्तमान में डीएमआरएल के सह निदेशक के रूप में कार्यरत हैं।

## उच्च योग्यता अर्जन

श्री राज किरण ग्रांधी, वैज्ञानिक 'एफ' उन्नत प्रणाली प्रयोगशाला (एएसएल), हैदराबाद ने अपने थीसिस शीर्षक 'सुपरसोनिक क्रॉसफ्लो में ट्रांसवर्स जेट की नियंत्रण प्रभावशीलता में वृद्धि' के लिए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) खड़गपुर, पश्चिम बंगाल से पीएचडी पूरी की है।

डॉ अग्रज उपाध्याय, वैज्ञानिक 'एफ', रक्षा भू–सूचना विज्ञान अनुसंधान प्रतिष्ठान (डीजीआरई), चंडीगढ़ को उनकी थीसिस शीर्षक 'कमजोर बर्फ की परतों में फ्रैक्चर का प्रसार और ऊपरी बर्फ की स्लैब की विफलता' के लिए 12 अगस्त 2023 को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली से पीएचडी से सम्मानित किया गया है।

श्रीमती कोचलीमा के एच, वैज्ञानिक 'जी', नौसेना भौतिक और समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एनपीओएल), कोच्चि को थीसिस शीर्षक 'सुरक्षा–महत्वपूर्ण सॉफ्टवेयर विकास चक्रों में टेम्पोरल मॉडल का सत्यापन और सत्यापनः एक एकीकृत मॉडलिंग भाषा दृष्टिकोण' के लिए कोचीन विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय से प्रौद्योगिकी संकाय के तहत पीएचडी से सम्मानित किया गया है।

# डीआरडीओ प्रयोगशालाओं के आगंतुक

## सीवीआरडीई, चेन्नई

माननीय केंद्रीय रक्षा और पर्यटन राज्य मंत्री श्री अजय भट्ट, रक्षा राज्य मंत्री (आरआरएम), ने 05 सितंबर 2023 को संग्राम वाहन अनुसंधान तथा विकास स्थापना (सीवीआरडीई), अवडी, चेन्नई का अपना पहला दौरा किया है। अपनी यात्रा के दौरान, माननीय आरआरएम ने वरिष्ठ वैज्ञानिकों के साथ बैठक की और सीवीआरडीई में चल रही परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। डॉ एसवी काडे, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एसीई) ने सीवीआरडीई द्वारा विकसित विभिन्न उपलब्धियों और महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी और उत्पादों के बारे में एक प्रस्तुति दी। श्री वी बालामुरुगन, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, सीवीआरडीई ने चल रही परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति और सुधार के बारे में जानकारी दी।

माननीय आरआरएम ने सीवीआरडीई द्वारा विकसित उन्नत प्रणालियों में गहरी रुचि दिखाई, और संबंधित परियोजना निदेशकों ने अपने प्रणालियों की विशिष्टता पर प्रकाश डाला।

माननीय आरआरएम ने चालक दल के सदस्यों के साथ एमबीटी (अर्जुन मार्क–1ए) में भी सवारी की और भारतीय निर्मित टैंक की उन्नत सुविधाओं का अनुभव किया।

माननीय आरआरएम ने रक्षा आधार में उनके अथक प्रयासों और योगदान के लिए सीवीआरडीई की सराहना की। इसके अलावा, उन्होंने अनुसंधान एवं विकास प्रणालियों में आत्मनिर्भरता बढ़ाने के महत्व पर जोर दिया और विश्वास व्यक्त किया कि डीआरडीओ 'मेक इन इंडिया' अवधारणा के साथ देश को सशक्त बनाएगा।

माननीय आरआरएम सीवीआरडीई, चेन्नई की अपनी यात्रा के दौरान

## केयर, बेंगलुरु

❄ ब्रिगेडियर संदीप सिन्हा, अध्यक्ष और कमांडर एफटीएम और टीम ने 18 अगस्त 2023 को कृत्रिम ज्ञान एवं रोबोटिकी केंद्र (केयर), बेंगलुरु का दौरा किया। डॉ ऋतुराज कुमार, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, केयर द्वारा एक ब्रीफिंग दी गई, जिसके बाद बुद्धिमान प्रणालियों, रोबोटिक्स और भौगोलिक सूचना प्रणालियों के क्षेत्रों में केयर द्वारा विकसित प्रौद्योगिकियों पर चर्चा और प्रदर्शन किया गया।

❄ रियर एडमिरल संदीप एस संधू, एनएम चीफ ऑफ स्टाफ, एएनसी और टीम ने 28 अगस्त 2023 को केयर का दौरा किया। डॉ ऋतुराज कुमार, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक केयर द्वारा एक ब्रीफिंग दी गई, जिसके बाद कमांड कंट्रोल भूमि और नौसेना बलों के क्षेत्र में केयर द्वारा विकसित प्रौद्योगिकियों पर चर्चा और प्रदर्शन किया गया।

## डिपास, दिल्ली

मेजर जनरल अतुल खुल्लर, अतिरिक्त डीजीएमएस (सेना), ब्रिगेडियर पवन ढुल, वीएसएम, कमांडेंट, सशस्त्र बल क्लिनिक के साथ, 31 अगस्त 2023 को रक्षा शरीरक्रिया एवं सम्बद्ध विज्ञानं संस्थान (डिपास), दिल्ली का दौरा किया। निदेशक, डिपास ने विषम परिस्थितियों में सशस्त्र बलों की परिचालन दक्षता में सुधार के लिए चल रही अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं की एक संक्षिप्त झलक दी। मेजर जनरल खुल्लर ने बदलते सुरक्षा परिदृश्य और सेना के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर इसके प्रभाव के साथ–साथ डिपास अनुसंधान की समकालीन प्रासंगिकता, विशेष रूप से थिएटर कमांड के आकार लेने के साथ ही भविष्य की प्रौद्योगिकियों पर इसके फोकस पर अपने विचार साझा किए। ब्रिगेडियर द्वारा 'कीपिंग मेंटल एजिंग ऐट बे' विषय पर एक व्याख्यान भी दिया गया।

पवन ढुल, वीएसएम, जिसमें उन्होंने उम्र बढ़ने के विभिन्न पहलुओं को छुआ और संज्ञानात्मक गतिविधि और नींद और सैन्य दृष्टिकोण से उनके महत्व पर जोर दिया। मेजर जनरल खुल्लर ने डिपास वैज्ञानिकों के साथ बातचीत की और परियोजनाओं पर बहुमूल्य जानकारी दी।

## आईआरडीई, देहरादून

श्रीमती यू जया संथी, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एचआर) ने 27 अगस्त 2023 को यन्त्र अनुसन्धान एवं विकास संस्थान (आईआरडीई), देहरादून का दौरा किया। डॉ अजय कुमार उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, आईआरडीई ने महानिदेशक (एचआर) का स्वागत किया। इस दिन जेसीएम–III स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक आयोजित की गई। श्रीमती संथी बैठक की अध्यक्ष थीं। बैठक में जेसीएम–III बिंदुओं पर चर्चा करने के लिए डीआरडीओ मुख्यालय के कॉर्पोरेट निदेशकों और यूनियन और कर्मचारी पक्षों के अधिकारियों ने भाग लिया। यात्रा के दौरान, डॉ अजय कुमार ने आईआरडीई द्वारा की गई प्रमुख अनुसंधान एवं विकास पहल और आईआरडीई द्वारा विकसित प्रौद्योगिकियों को प्रस्तुत किया। उन्होंने आईआरडीई द्वारा विकसित और सेवाओं में शामिल किए गए विभिन्न उत्पादों के बारे में भी जानकारी दी। श्रीमती संथी ने अत्याधुनिक प्रणाली विकसित करने में आईआरडीई के प्रयासों की सराहना की। श्रीमती संथी ने भारत के रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल करने में आईआरडीई के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने उत्कृष्टता की खोज में प्रयोगशाला को शुभकामनाएं दीं।

**श्रीमती यू जया संथी, उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एचआर) आईआरडीई, देहरादून की यात्रा के दौरान डॉ अजय कुमार उत्कृष्ट वैज्ञानिक एवं निदेशक, आईआरडीई से बातचीत करते हुए**

## एनपीओएल, कोच्चि

डॉ वाई श्रीनिवास राव, विशिष्ट वैज्ञानिक एवं महानिदेशक (एनएस एंड एम) ने 24–25 अगस्त 2023 के दौरान नौसेना भौतिक और समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एनपीओएल), कोच्चि का दौरा किया।

डॉ राव ने एनपीओएल में चल रही परियोजनाओं की कार्यकारी बोर्ड बैठक की अध्यक्षता की। बाद में, महानिदेशक (एनएस एंड एम) ने 24 अगस्त 2023 को एनपीओएल में आयोजित 'ओणम' समारोह और सांस्कृतिक उत्सव का उद्घाटन किया। राजा महाबली के शासनकाल में केरल की सांस्कृतिक विरासत और एकता को याद करने के लिए 'ओणम' केरल में फसल पैदावार का पारंपरिक त्योहार है। समारोह की शुरुआत रंग–बिरंगे और आकर्षक फूलों से समृद्ध पुष्प डिजाइन 'ओना–पुक्कलम' पर एक प्रतियोगिता के साथ हुई। इसके बाद पारंपरिक दावत ओना–साध्या का आयोजन किया गया और एनपीओएल की महिला कर्मचारियों द्वारा 'थिरुवतिराकली' के साथ एक सांस्कृतिक कार्यक्रम शुरू किया गया।

25 अगस्त 2023 को डॉ राव ने कुलमावु, इडुक्की में एनपीओएल के एक प्रभाग, अंडरवाटर ध्वनिक अनुसंधान सुविधा (यूएआरएफ) का भी दौरा किया।